एआई की दौड़ में जीपीयू एनवीडिया की ताकत, एपल के पास उसका विशाल बाजार

सबसे मूल्यवान कंपनी बनने की होड़ में एपल व एनवीडिया आमने-सामने

अमर उजाला नेटवर्क

सैन फ्रांसिस्को। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की तेज होती अर्थव्यवस्था ने एप्पल और एनवीडिया को दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनने की दौड़ में आमने-सामने ला दिया है। दोनों ही कंपनियां एआई से होने वाली कमाई के बिल्कुल अलग मॉडल पर आगे बढ़ रही हैं।

एनवीडिया एआई डेटा सेंटरों के लिए जरूरी चिप और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराकर तकनीकी बुनियादी ढांचे की रीढ़ बनी है, जबकि एप्पल अपने विशाल आईफोन और अन्य उपकरणों के इकोसिस्टम के जरिये एआई को करोड़ों उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की स्थिति में है। बाजार पूंजीकरण में दोनों के बीच लगातार हो रही अदला-बदली ने निवेशकों का ध्यान इस सवाल पर केंद्रित कर दिया है कि एआई युग का सबसे बड़ा आर्थिक लाभार्थी आखिर कौन होगा। सीएनएन के अनुसार एनवीडिया एआई डेटा सेंटरों में इस्तेमाल होने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है।

एपल का कारोबार परिपक्व, उपभोक्ता बाजार ताकत

एप्पल का कारोबार तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व है, लेकिन इसका पैमाना कहीं बड़ा है। कंपनी का वार्षिक राजस्व करीब 400 अरब डॉलर है और उसके पास दुनियाभर में 200 करोड़ से अधिक सक्रिय उपकरण हैं। आईफोन उसकी सबसे बड़ी आय का स्रोत है, जबकि ऐप स्टोर, आईक्लाउड, म्यूजिक और अन्य सेवाओं का कारोबार लगातार मजबूत हो रहा है। हालिया तिमाही में आईफोन बिक्री और कुल राजस्व बाजार की उम्मीदों से बेहतर रहे, जिससे एआई में अपेक्षाकृत धीमी प्रगति के बावजूद निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

एआई एपल की रणनीति का हिस्सा, देरी से जोखिम भी

इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, एआई डेटा सेंटर जीपीयू बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी करीब 80-90% है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, अल्फाबेट और अमेजन जैसी कंपनियों के भारी एआई निवेश से एनवीडिया की चिप मांग तेजी से बढ़ी है। कंपनी का वार्षिक राजस्व अब करीब 180-200 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच चुका है और हाल की तिमाहियों में इसकी वृद्धि दर 50 प्रतिशत से अधिक रही है। एनवीडिया की सबसे बड़ी ताकत ही उसका जोखिम भी है। बड़ी टेक कंपनियां एआई डेटा सेंटरों पर सैकड़ों अरब डॉलर खर्च कर रही हैं। यदि भविष्य में इस पूंजीगत निवेश की रफ्तार कम होती है तो एनवीडिया की मांग और आय वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

बिहार के लोगों का मजाक उड़ा फिर से विवादों में समय रैना

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना का शो इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर विवादों में आ गया है। इस शो के दूसरे संस्करण के एक एपिसोड में कॉमेडियन शेरोन वर्मा के साथ बातचीत के दौरान रैना ने उनके बिहारी पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाया। इसके जवाब में शेरोन ने रैना के कश्मीरी बैकग्राउंड पर तंज कसा। सोशल मीडिया में एक वर्ग ने सवाल उठाया कि क्या ऐतिहासिक त्रासदी और समुदायों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कॉमेडी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि कुछ लोग विवादित बयान देकर सिर्फ पब्लिसिटी हासिल करना चाहते हैं। एजेंसी

मेटा के 18 अरब डॉलर के समझौते के बाद अब निशाने पर यूट्यूब और स्नैप

लॉस एंजिलिस। युवाओं पर सोशल मीडिया की कथित लत और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके असर को लेकर मेटा के खिलाफ चले ऐतिहासिक मुकदमे के समझौते के बाद अब टिकटॉक, यूट्यूब और स्नैपचैट पर दबाव बढ़ गया है।

कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा है कि राज्य सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रखेगा और अन्य बड़ी कंपनियों से भी मेटा जैसे बदलाव की मांग की जाएगी।

सीएनबीसी के अनुसार मेटा ने अमेरिका के कई राज्यों की ओर से दायर मामले में 18 अरब डॉलर तक के समझौते पर सहमति जताई है।

युवाओं में सोशल मीडिया की लत व मानसिक स्वास्थ्य का मामला

कंपनी अगले 10 वर्षों में राज्यों को करीब 12.7 अरब डॉलर यानी समझौते की 70 फीसदी राशि देगी। बाकी 5.3 अरब डॉलर का भुगतान इस शर्त से जुड़ा है कि टिकटॉक और अल्फाबेट का यूट्यूब भी नाबालिगों के लिए इसी तरह के बदलाव लागू करें। समझौते के तहत मेटा 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए कई अहम बदलाव करेगा। इनमें रोजाना दो घंटे की उपयोग सीमा शामिल है, जिसे केवल अभिभावक बढ़ा सकेंगे। अमर उजाला नेटवर्क

punjab national bank ... name you can BANK upon! | पंजाब नैशनल बैंक ... भरोसे का प्रतीक

एआरएमबी वाराणसी– एस 20/56– डी केनेडी रोड, द माल, कैण्ट, वाराणसी – 221002 (उ0प्र0). ई–मेल: cs8331@pnb.bank.in

वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) के तहत सर्वसाधारण को

ई–नीलामी की सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत चल / अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं / या 9 (1) के साथ पढ़ी जाती है।

इसके द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित चल / अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी चार्ज की गई है, जिसका रचनात्मक/भौतिक/प्रतीकात्मक कब्जा उसके द्वारा ले लिया गया है। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी/सुरक्षित ऋणदाता को अपने बकाया की वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि पर **''जहां है जैसे है''** और **''जो है जैसा है''** और **''जो कुछ भी वहाँ है''** पर बेचा जाएगा। संबंधित उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (गारंटरों) से बैंक / सुरक्षित ऋणदाता को देय। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि संबंधित संपत्तियों के सामने नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित होगी।

चल / अचल सम्पत्ति एवं सुरक्षित प्रतिभूतियों का विवरण

क्र0 सं0	उधारकर्ता का खाता / शाखा का नाम	सम्पत्ति का विवरण	बकाया राशि दिनांक 31.07.2026 तक / 13(2) की दिनांक / 13(4) की दिनांक / कब्जे का प्रकार (भौतिक/सांकेतिक)	आरक्षित मूल्य / अग्रिम धनराशि (रू0 लाख में) / वृद्धिशील धनराशि / अग्रिम धनराशि जमा करने की अन्तिम तिथि	निलामी हेतु दिनांक एवं समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात रुकावटों का विवरण
1.	**ऋणी: (1) मेसर्स लक्ष्मी इंटरप्राइजेज प्रोपराइटर: अवधेश चंद्र चतुर्वेदी पुत्र बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, पता: 1263, पक्का पोखरा, हुसैनाबाद, सदर जौनपुर, यूपी 222002, 2) श्री अवधेश चंद्र चतुर्वेदी पुत्र बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, पता: 1263, पक्का पोखरा, हुसैनाबाद, सदर जौनपुर, यूपी 222002 जमानतकर्ता/बंधककर्ता:– 1) श्रीमती विजय लक्ष्मी चतुर्वेर्दी पत्नी श्री अवधेश चंद्र चतुर्वेर्दी पुत्र बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, पता: 1263, पक्का पोखरा, हुसैनाबाद, सदर जौनपुर, यूपी 222002 शाखा: एआरएमबी वाराणसी (833100)**	सामयिक बंधक की आवासीय सम्पत्ति आराजी संख्या 663मि, मकान नं0 1263 (पुराना 673), मोहल्ला– हुसैनबाद, परगना–हवेली, तहसील–सदर, जिला– जौनपुर में स्थित, क्षेत्रफल 600 वर्ग फुट यानी 55.76 वर्ग मीटर, बिक्री विलेख संख्या 9737 दिनांक 17.12.2015 के अनुसार, जो उप–पंजीयक सदर –जौनपुर के कार्यालय में पुस्तक संख्या 1, खंड 6258, पृष्ठ 235 से 258 पर पंजीकृत, (मालिक: श्रीमती विजय लक्ष्मी चतुर्वेदी पत्नी श्री अवधेश चंद्र चतुर्वेदी), **चौहद्दी (विलेख के अनुसार): पूर्व:** खड़ंजा रोंड, **पश्चिम:** अरविंद कुमार, अरुण कुमार और अखिलेश चंद्र के मकान का शेष भाग, **उत्तर:** राजेश श्रीवास्तव का मकान, **दक्षिण:** विनोद कुमार, प्रमोद कुमार और अनिल कुमार के मकान का शेष भाग	रू0 51,94,044.74 + अतिरिक्त ब्याज के साथ दिनांक 01.08.2026 से लागू एवं अन्य शुल्क प्रभावी 14.06.2021 16.03.2022 सांकेतिक	29,73,000/- 2,97,300/- 25,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक	30.09.2026 11:00 AM to 04.00 PM	कुछ नहीं
2.	**ऋणी: 1) मेसर्स गौतम मार्बल प्रोपराइटर: श्री राज कुमार सिंह पुत्र रण विजय सिंह** पता: एसएच 1/32–1–ए, जय नगर कालोनी, गिलट बाजार, वाराणसी, यूपी 221002 **2) मेसर्स गौतम मार्बल प्रोपराइटर: श्री राज कुमार सिंह** पता: एसएच 9/129–1 एके, सुद्धीपुर बाईपास, शिवपुर, वाराणसी यूपी 221002 **ऋणी/जमानतकर्ता/बंधककर्ता:–श्री राज कुमार सिंह पुत्र रण विजय सिंह,** पता: एसएच 1/32–1–ए, जय नगर कालोनी, गिलट बाजार, वाराणसी, यूपी 221002 **जमानतकर्ता/बंधककर्ता:– 1) श्री अशोक कुमार सिंह पुत्र रण विजय सिंह, 2) श्री धर्मेन्द्र सिंह पुत्र रण विजय सिंह पता: सभी निवासी एसएच 1/32–1–ए, जय नगर कालोनी, गिलट बाजार, वाराणसी, यूपी 221002 शाखा: एआरएमबी वाराणसी (833100)**	सामयिक बंधक की सम्पत्ति शामिल आराजी नंबर–292, मकान नंबर एस 21/116–ए–1 (पुराना मकान नंबर एस 21/115), जो मोहल्ला/ग्राम– मलदहिया (इंग्लिशिया लाइन) कैंटोनमेंट, वार्ड सिकरौल, वाराणसी में स्थित है, क्षेत्रफल 5880.00 वर्ग फुट यानी 546.468 वर्ग मीटर है। विक्रय विलेख नंबर 1371 के तहत है, जो दिनांक 14.08.2008 को (पेज नंबर 67 से 116) बुक नंबर–1, खण्ड नं0–1034, सब–रजिस्ट्रार–3, वाराणसी के कार्यालय में पंजीकृत, क्षेत्रफल 546.468 वर्ग मीटर, मालिक– श्री राज कुमार सिंह पुत्र श्री रण विजय सिंह, श्री अशोक कुमार सिंह पुत्र श्री रण विजय सिंह, श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र श्री रण विजय सिंह, **चौहद्दी: (विलेख के अनुसार): पूर्व:** हीरा लाल का मकान, **पश्चिम:** दूसरों के मकान का पश्चिमी हिस्सा, **उत्तर:** 8 फीट चौड़ी सड़क, **दक्षिण:** आशा देवी का मकान और जुज भाग बास्कल रास्ता	रू0 36,71,365.90 + अतिरिक्त ब्याज के साथ दिनांक 01.08.2026 से प्रभावी + डीआई एवं अन्य लगे शुल्क वसूली घटाकर 21.04.2025 04.02.2026 सांकेतिक	2,70,42,000/- 27,04,200/- 1,00,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक	30.09.2026 11:00 AM to 04.00 PM	कुछ नहीं
3.	**ऋणी: 1– मेसर्स गौतम बिल्डर्स (प्रोपराइटर श्री राज कुमार सिंह), 2– श्री राज कुमार सिंह पुत्र श्री रण विजय सिंह (प्रोपराइटर: मेसर्स गौतम बिल्डर्स), पता:–** सभी निवासी शि 1/32–1–ए, जय नगर कालोनी, गिल्ट बाजार, वाराणसी यू.पी.–221002 **जमानतकर्ता: 1– श्री रण विजय सिंह पुत्र स्व0 सरजू सिंह, 2– श्रीमती सुमन सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह पता:–** सभी निवासी शि 1/32–1–ए, जय नगर कालोनी, गिल्ट बाजार, वाराणसी यू.पी.–221002 **शाखा: एआरएमबी वाराणसी (833100)**	(1) सामयिक बंधक की अचल सम्पत्ति आवासीय मकान नं0 शि–9/147, आराजी नं0 276, मौजा और मोहल्ला– शुद्धीपुर, वार्ड एवं परगना– शिवपुर, तहसील और जिला– वाराणसी में स्थित, विलेख नं0 6462 दिनांक 30.09.2014 बुक नं0 –1 में, खण्ड नं0 6612, पृष्ठ सं0 71 से 108, सब–रजिस्ट्रार चतुर्थ, जिला– वाराणसी कार्यालय में पंजीकृत, क्षेत्रफल (पंजीकृत विक्रय विलेख के अनुसार): 3060 वर्ग फुट यानी 284.38 वर्ग मीटर, मालिक/बंधककर्ता : श्री रण विजय सिंह पुत्र स्वर्गीय सरजू सिंह, **चौहद्दी (विक्रय विलेख के अनुसार) : पूर्व–** 6 फीट चौड़ी बजरी वाली सड़क, फिर अमरनाथ आदि की बाउंड्री वाल, **पश्चिम–** गौतम रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड की भूमि, **उत्तर–** जयप्रकाश पुत्र प्यारेलाल का मकान, **दक्षिण–** वीरेंद्र पटेल का मकान । (2) सामयिक बंधक की अचल संपत्ति (भूमि) आराजी नंबर 188/1 मि, मौजा– शुद्धिपुर, वार्ड एवं परगना– शिवपुर, तहसील और जिला– वाराणसी में स्थित, विलेख नं0 2596 दिनांक 28.04.2015 के तहत बुक नं0– 1, खण्ड नं0– 6965, पेज 385 से 420 जो सब–रजिस्ट्रार चतुर्थ, जिला– वाराणसी के कार्यालय में पंजीकृत है, क्षेत्रफल (विक्रय विलेख के अनुसार): 5467 वर्ग फीट यानी 508.08 वर्ग मीटर, मालिक/बंधककर्ता : श्रीमती सुमन सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह, **चौहद्दी विलेख के अनुसार (विक्रय विलेख के अनुसार पंजीकृत) : पूर्व–** नीलम की भूमि, **पश्चिम–** 12 फीट चौड़ा बजरी वाला रास्ता, **उत्तर–** आराजी नंबर 171, विक्रेताओं की भूमि और प्रजापति आदि की सीमा, **दक्षिण–** आराजी का भाग, अन्य हिस्सेदारों का प्लाट	रू0 61,74,692.94 + अतिरिक्त ब्याज के साथ दिनांक 01.08.2026 से प्रभावी + डीआई एवं अन्य लगे शुल्क वसूली घटाकर 30.03.2026 06.06.2026 सांकेतिक	सम्पत्ति–1 1,01,50,000/- 10,15,000/- 1,00,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक सम्पत्ति–2 1,60,05,000/- 16,00,500/- 1,00,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक	30.09.2026 11:00 AM to 04.00 PM	कुछ नहीं
4.	**ऋणी: मेसर्स अनमोल अनमोल ब्रेवरिज़ प्राइवेट लिमिटेड,** पता: 1– प्लाट नंबर–21, पुराना अप्पू घर, श्री बटुक भैरो मंदिर के पास, कमच्छा वाराणसी यूपी 221010, पता: – 2 – प्लाट नंबर डी–47, एग्रो पार्क, करखियांव, वाराणसी, यूपी–221206, **(2) श्री अनमोल अग्रवाल पुत्र श्री विनय कुमार अग्रवाल, निदेशक, अनमोल ब्रेवरिज़ प्राइवेट लिमिटेड,** बी–21/128–129, प्लाट नंबर 21, पुराना अप्पू घर, कमच्छा, वाराणसी पिन– 221010 **(3) कु0 मीना अग्रवाल पत्नी श्री विनय कुमार अग्रवाल, निदेशक, अनमोल ब्रेवरिज़ प्राइवेट लिमिटेड,** बी–21/128–129, प्लाट नंबर 21, पुराना अप्पू घर, कमच्छा, वाराणसी पिन– 221010 **जमानतकर्ता: (1) श्री अनमोल अग्रवाल पुत्र श्री विनय कुमार अग्रवाल, (निदेशक, अनमोल ब्रेवरिज़ प्राइवेट लिमिटेड), (2) कु0 मीना अग्रवाल पत्नी श्री विनय कुमार अग्रवाल, (निदेशक, अनमोल ब्रेवरिज़ प्राइवेट लिमिटेड)** दोनों निवासी बी–21/128–129, प्लाट नंबर 21, पुराना अप्पू घर, श्री बटुक भैरो मंदिर के पास, कामच्छा वाराणसी यूपी 221010 **शाखा: एआरएमबी वाराणसी (833100)**	**1.** फैक्ट्री भूमि एवं भवन स्थित प्लाट नंबर डी–47, इंडस्ट्रियल एरिया एग्रो पार्क, करखियांव, जिला: वाराणसी, उ0प्र0, लीज डीड दि0 31.10.2011 के तहत, बुक नंबर 1, खण्ड 1579, पेज 339 से 390 दस्तावेज नं0 3136 में दर्ज है। क्षेत्रफल 1800.00 वर्ग मीटर एवं दि0 03.11.2011 को सब–रजिस्ट्रार, पिंडरा, वाराणसी के आफिस में पंजीकृत, मालिक– मेसर्स अनमोल ब्रिवियरीज प्राइवेट लिमिटेड, **चौहद्दी: (विलेख के अनुसार): पूर्व:** 24 मीटर चौड़ी सड़क न0 5, **पश्चिम:** प्लाट डी–62, **उत्तर:** प्लाट डी–48, **दक्षिण:** प्लाट डी–46 **2.** प्लांट एवं मशीनरी कमर्शियल आरओ वाटर प्यूरीफायर सिस्टम से जुड़ी (एक हाई–स्पीड पेट ब्लोइंग मशीन, एक रिंसर/फिल्टर/कैपर मॉडल 358 सी, जिसमें चेंज पार्ट्स का सेट है, एक हाटमेल्ट लेबलर बोतल पर रैप करने के लिए स्पेयर पार्ट्स के साथ, एक हाई–प्रेशर कंप्रेसर, कंप्रेस्ड एयर के लिए, एक प्रिंटेड श्रिंक रैप पैकेजिंग मशीन और अन्य सहायक उपकरण) अचल संपत्ति स्थित प्लाट नंबर डी–47, यूपीएसआईडीसी एग्रो पार्क, करखियांव, जिला: वाराणसी, उ0प्र0	रू0 9,66,26,550.01 + अतिरिक्त ब्याज के साथ दिनांक 01.08.2026 से प्रभावी + डीआई एवं अन्य लगे शुल्क वसूली घटाकर 04.12.2024 17.02.2025 सांकेतिक	अचल सम्पत्ति 1,39,74,000/- 13,97,400/- 1,00,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक सम्पत्ति–2 4,51,23,200/- 45,12,320/- 1,00,000/- 29.09.2026 सायं 04:00 बजे तक	30.09.2026 11:00 AM to 04.00 PM	कुछ नहीं

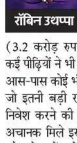

नियम एवं शर्ते :– बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों और शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी। 1. संपत्तियां **''जहां है जैसे है''** और **''जो है जैसा है''** और **''जो कुछ भी वहाँ है''** के आधार पर बेची जा रही है। 2. यहां ऊपर अनुसूची में निविष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्द्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट **https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऊपर लिखे दिनांक व समय के अनुसार की जायेगी तया बोलीकर्ताओं को सलाह दीजाती है कि नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाईट **https://baanknet.com** पर रजिस्टर करें। 4. बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया देखे **https://baanknet.com** और www.pnbindia.in/ **या श्री रूद्र नन्द, मुख्य प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी (मोबाइल नंबर–9204057664) एवं वरिष्ठ प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव (7355172362) से सम्पर्क करें।**

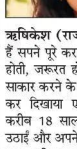

नोट : विवाद की स्थिती में अंग्रेजी अंक प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनाक:25.08.2026, स्थान: वाराणसी | सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं / या 9 (1) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना | **प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक**

अचानक मिले 3.2 करोड़ से डिप्रेशन में चला गया था : उथप्पा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

रॉबिन उथप्पा

उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए।

उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि "पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। एजेंसी

18 साल बाद उठाईं किताबें...पास किया नीट

ऋषिकेश (राजीव खत्री)। कहते हैं सपने पूरे करने की कोई उम्र नहीं होती, जरूरत होती है तो बस उन्हें साकार करने के जज्बे की। इसे सच कर दिखाया एक मां ने, जिसने करीब 18 साल बाद फिर किताबें उठाईं और अपने अधूरे सपने को नई उड़ान दी। उनका 2008 में महज तीन अंकों से एमबीबीएस बनने का सपना अधूरा रह गया तो बीडीएस की पढ़ाई की।

इसके बाद अब 2026 में एमबीबीएस क्वालिफाई कर देहरादून मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल कर ली है। यह कहानी है डॉ. दीपिका खांडूजा की जो वर्तमान में हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (हिम्स), जौलीग्रांट के न्यूरोलॉजी विभाग में स्ट्रोक काउंसलर के रूप में कार्य कर रही हैं। डॉ. दीपिका बताती हैं कि उन्होंने वर्ष 2008 से 2013 के बीच बीडीएस की पढ़ाई की। उस समय मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने और न्यूरोलॉजी के क्षेत्र में चिकित्सक बनने का सपना था, लेकिन प्रवेश परीक्षा में वह महज तीन अंकों से पीछे रह गईं। वर्ष 2016 में उनका विवाह हुआ और इसके बाद बेटे के जन्म के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी बढ़ गईं।